फर्जी आईएएस का थाने में दरबार

अयोध्या नगर थाने में घंटों बैठती थी तृप्ति, टूर पर जाती तो साथ मिलता था पुलिस बल

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 12 सितंबर. खुद को आईएएस अधिकारी बताकर लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाली तृप्ति सिंह के मामले में अब पुलिस महकमे से उसके कनेक्शन की जांच शुरू हो गई है. तृप्ति का अयोध्या नगर थाने में इतना आना-जाना था कि वह थाना प्रभारी के केबिन में तीन-तीन घंटे तक बैठती थी. इतना ही नहीं, टूर के दौरान उसे अयोध्या नगर थाने से पुलिस बल भी उपलब्ध कराया जाता था.

थाने में उसकी इस कथित पहुंच और थाना प्रभारी महेश लिल्हारे से करीबी संबंधों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है. अब तक की जांच में सामने आया कि तृप्ति की थाना प्रभारी से पहली मुलाकात उनके भाई रोहित लिल्हारे के जरिए हुई थी. इस दौरान उसने तृप्ति ने खुद को आईएएस अधिकारी बताया. टीआई ने जब उससे बैच के बारे में पूछा तो उसने खुद को 'लास्ट बैच' का बताया. बातचीत के दौरान टीआई ने अपने रिश्ते के भाई रोहित लिल्हारे के यूपीएससी की तैयारी करने की बात कही और तृप्ति से उसे मार्गदर्शन देने का आग्रह किया. इसके बाद तृप्ति ने टीआई का पर्सनल मोबाइल नंबर ले लिया. यहीं से दोनों के बीच संपर्क बढ़ने की बात सामने आई है. रविवार को पुलिस जेल में तृप्ति को ट्रांजिट रिमांड पर ला सकती है. इसके बाद उससे अयोध्या नगर थाना प्रभारी से संबंध, थाने में उसकी लगातार मौजूदगी, पुलिस बल मिलने और रोहित लिल्हारे से जुड़े 87 लाख रुपए के मामले को लेकर पूछताछ की जाएगी. वरिष्ठ अधिकारी यह भी पता कर रहे हैं कि तृप्ति के खिलाफ पहले से कोई शिकायत या जानकारी अयोध्या नगर पुलिस के पास थी या नहीं.

जांच में सामने आया है कि इसके बाद तृप्ति का अयोध्या नगर थाने में लगातार आना-जाना शुरू हो गया था. वह सीधे थाना प्रभारी के केबिन में पहुंचती और कई-कई घंटे वहां बैठती थी. थाने में पदस्थ पुलिसकर्मियों के मुताबिक कई बार उसका भाई सुधांशु भी उसके साथ आता था. टीआई से नजदीकी और थाने में उसके रुतबे का असर ऐसा था कि पुलिसकर्मी उसे सलाम तक करते थे. थाने के ड्राइवर भूपेन्द्र और रवि तृप्ति और उसके जालसाज भाई सुधांशु को खाना खिलाने होटल लेकर जाते थे. पुलिसकर्मी मनोज सिंह को तृप्ति की सुरक्षा में भेजा जाता था.

> तृप्ति सिंह के अयोध्या नगर थाने में आने-जाने की जानकारी सामने आई है. जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी.
>
> **-संजय कुमार,** पुलिस कमिश्नर

खाते में रकम नहीं

पुलिस अधिकारी अब यह भी जांच रही है कि तृप्ति को टूर के दौरान पुलिस बल उपलब्ध कराने का आधार क्या था. अगर उसे पुलिस सुरक्षा या बल उपलब्ध कराया गया था तो किसके निर्देश पर और किस हैसियत से दिया गया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है. जांच का एक प्रमुख बिंदु यह भी है कि क्या पुलिस से जुड़े इस संपर्क का इस्तेमाल तृप्ति लोगों पर प्रभाव जमाने के लिए करती थी. बागसेवनिया पुलिस की जांच में तृप्ति के ठगी के तरीके को लेकर भी अहम जानकारी सामने आई है. पुलिस के मुताबिक वह कथित तौर पर ठगी की रकम सीधे अपने बैंक खाते में नहीं लेती थी. रकम गिरोह में शामिल लोगों के बीच बांटे जाने की बात सामने आई है. अब पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और रकम के लेनदेन की कड़ियां भी जोड़ रही है.

टीआई के भाई को ही 87 लाख की चपत लगाई

मामले का सबसे अहम पहलू यह है कि तृप्ति ने थाना प्रभारी महेश लिल्हारे के भाई रोहित लिल्हारे और उसके दोस्त गगन उपवंशी को भी ठगी का शिकार बनाया. दोनों बालाघाट निवासी हैं. आरोप है कि एमपी पर्यटन के होटल को लीज पर दिलाने का झांसा देकर उनसे करीब 87 लाख रुपए की ठगी की गई. रोहित की शिकायत पर भी एफआईआर दर्ज है. अब इस मामले में भी थाना प्रभारी की भूमिका और तृप्ति से उनके संपर्कों को जांच के दायरे में रखा गया है.

छात्रा ने फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

भोपाल. कमला नगर इलाके में बीकॉम की पढ़ाई कर रही एक 22 साल की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. वैशाली नाम की छात्रा मूलत: कटनी की रहने वाली थी. वह कमलानगर इलाके में किराए के मकान में रहती थी. वैशाली का शव शुक्रवार-शनिवार रात उसके कमरे में फंदे पर लटका देखा गया. पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि वैशाली ने मोबाइल से बॉयफ्रेंड अतुल को आखिरी मैसेज भेजा था. इसमें उसने माफी मांगते हुए अतुल को अपने रुपए उसको रखने और हमेशा उसके लिए ईमानदार रहने की बात कही है. कटनी से भोपाल पहुंची वैशाली की मां का बयान भी पुलिस ने बयान दर्ज कर लिया है.

प्लास्टिक फैक्ट्रियों से सेहत को खतरा

एनजीटी ने सरकार, प्रदूषण बोर्ड और निगम से मांगा जवाब

50 से ज्यादा इकाइयों के संचालन का आरोप

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 12 सितंबर. शहर के घनी आबादी वाले इलाकों में गैरकानूनी तरीके से संचालित हो रही करीब 50 प्लास्टिक इकाइयों से स्वास्थ्य और पर्यावरण को खतरे के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने स्वत: संज्ञान लिया है.

मामले में ट्रिब्यूनल ने प्रदेश सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और भोपाल नगर निगम से जवाब मांगा है. अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी. अनिल कुमार वर्मा की याचिका के साथ मामले की सुनवाई करते हुए एनजीटी ने संबंधित पक्षों को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है. जिन पक्षों ने अभी तक जवाब नहीं दिया है, उन्हें तीन सप्ताह की अंतिम समय-सीमा दी गई है.

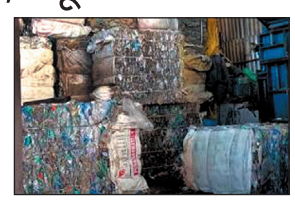

> आदमपुर कचरा स्थल पर रोज करीब 10 से 12 टन प्लास्टिक कचरा पहुंचने का दावा किया गया है. इतनी ही मात्रा कबाड़ी के माध्यम से कबाड़खाना पहुंचने की बात कही गई है. नगर निगम ने इलाके में करीब 800 प्लॉट आवंटित किए हैं, लेकिन सभी प्लॉटों पर संचालित गतिविधियों का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने का आरोप है. करीब 70 प्लॉट का किराया बकाया होने से रद्दीकरण की प्रक्रिया लंबित बताई गई है.

हंसी- मजाक के विवाद में युवक की हत्या

बीच बचाव करने के लिए पहुंचा था मृतक

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 12 सितंबर. गोविंदपुरा इलाके में एक युवक की उसके पड़ोस में रहने वाले आरोपी युवक ने 6 साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी. पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

युवक के बहन बहनोई के बीच चल रहे हंसी मजाक को लेकर आरोपी ने पहले विवाद खड़ा किया. इस दौरान विवाद के बीच बचाव में आए युवक पर हमला कर आरोपियों ने उसकी जान ले ली.

जानकारी के मुताबिक अन्ना नगर रहवासी रीतिक गौड़ की पड़ोस में रहने वाले आरोपी सूरज ने अपने भाई कबीर और 4 अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी. शुक्रवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे मामूली बात पर विवाद करते हुए आरोपियों ने रीतिक से पहले उसके बहन-बहनोई की पिटाई की. रितिक अपने बहन-बहनोई को बचाने के लिए बीच में आया. इस बात से नाराज होकर आरोपियों ने लाठी और पत्थर से रितिक पर हमला कर दिया. इस दौरान सभी आरोपी मौके से फरार हो गए. पुलिस ने कुछ ही घंटों में मुख्य आरोपी सूरज और कबीर को गिरफ्तार कर लिया.

4 दोस्त को फोन कर बुलाया

पुलिस जांच में सामने आया कि रितिक की बहन और बहनोई देर रात अपने घर में सूरज नाम के किसी अन्य व्यक्ति की बात करते हुए हंसी मजाक कर रहे थे. पड़ोस में रहने वाले सूरज ने उनकी बातें सुनीं और इस बात को खुद पर ले लिया. आरोपी सूरज ने भाई कबीर और 4 दोस्त को फोन कर इस दौरान बुलाया. इसके बाद सभी रितिक के रिश्तेदारों के घर पहुंचकर सीधे लाठी से हमला कर दिया. शोर शराबा सुनकर रितिक भी वहां पहुंचा और विवाद को खत्म कराने की कोशिश करने लगा. तभी आरोपियों ने रितिक पर हमला कर दिया.

फर्जी दस्तावेजों से पासपोर्ट बनवाने वाले दो लोग गिरफ्तार

भोपाल. गलत निवास पते और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने वाले गिरोह के दो और आरोपियों को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है. उन्हें महाराष्ट्र से पकड़ा गया. एसटीएफ अब उनसे फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, पासपोर्ट बनवाने की पूरी प्रक्रिया और गिरोह में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है. आरोपियों की पहचान प्रियान रॉय पिता विमल रॉय और जॉय चौधरी पिता अमिराज बरुआ के रूप में हुई है. प्रियान रॉय को उल्हासनगर और जॉय चौधरी को नागपुर, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया.

लोक अदालत में 18 हजार से ज्यादा मामले निपटे

88 करोड़ 68 लाख अवार्ड पारित

57 खंडपीठ का किया था गठन

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 12 सितंबर. इस साल के तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया गया. जिला न्यायालय परिसर में इसका शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने किया.

लोक अदालत में 18086 प्रकरणों का निराकरण किया गया. 88 करोड़, 68 लाख, 9 हजार 922 रुपए के अवार्ड पारित किया गया. लंबित टेकन अप प्रकरणों के कुल 5388, निराकृत लंबित प्रकरणों के कुल 5146, प्री-लिटिगेशन टेकन अप प्रकरणों के कुल 13004, निराकृत प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के कुल 12940, चेक बाउंस से संबंधित निराकृत कुल प्रकरणों के 589, मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित निराकृत कुल प्रकरणों के 707, आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों के 776, पारिवारिक प्रकरणों के 148, बैंक रिकवरी के निराकृत प्रकरणों के 479, व्यवहार वाद के प्रकरणों के 65, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों के 1805, श्रम विभाग से संबंधित प्रकरणों के 18, जलकर एवं सम्मपति कर संबंधी प्रकरणों के संख्या 9974, ट्राफिक से संबंधित प्रकरण 743, अन्य प्रकरणों की संख्या 1634, आर्बिटेशन के 27, प्लीबारेनिंग के 46 और राजस्व प्रकरण 1075 का निपटारा किया गया. सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल सुनीत अग्रवाल ने बताया कि जिला न्यायालय, कुटुम्ब न्यायालय, सिविल न्यायालय बैरसिया एवं औद्योगिक न्यायालय के लिए कुल 57 खंडपीठों का गठन किया गया.

> इस दौरान लगभग 18,086 मामले निराकरण किये गये. लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, चेक बाउंस मामले, बैंक रिकवरी मामले, सिविल मामले तथा प्री-लिटिगेशन के अंतर्गत बैंक रिकवरी, जलकर और संपत्ति कर सहित विभिन्न प्रकरणों को आपसी सहमति एवं सुलह समझौते के आधार पर निराकरण के लिए रखा गया.

नीलम पार्क पर धरने पर डटे शिक्षक अभ्यर्थी

भोपाल. पदवृद्धि की मांग को लेकर वर्ग 2 और 3 के शिक्षक अभ्यर्थी शनिवार को भी नीलम पार्क में धरने पर बैठे. यह धरना करीब तीन सप्ताह से जारी है. अभ्यथियों का कहना है मांग पूरी नहीं होने तक धरना जारी रहेगा.

स्पा सेंटर में देह व्यापार, 22 लोग पकड़े

पुलिस आयुक्त की टीम ने मारा छापा

थाना पुलिस को नहीं लगने दी भनक

500 रुपए था प्रवेश शुल्क

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 12 सितंबर. पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित पिंक स्पा सेंटर में शनिवार को पुलिस ने दबिश देकर 10 युवतियों और 12 युवकों को पकड़ा है.

स्पा सेंटर में देह व्यापार संचालित होने की सूचना पर यह कार्रवाई की गई. खास बात यह है

कि कार्रवाई की जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को पहले से नहीं दी गई थी. पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के निर्देश पर टीम ने सीधे सेंटर पर दबिश दी. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सेंटर में 500 रुपए प्रवेश शुल्क लिया जाता था, जबकि युवतियों से अलग से सौदा किए जाने की बात सामने आई है. पुलिस को मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी मिली है. पकड़ी गई युवतियों और युवकों से पूछताछ की जा रही है. शहर में पिछले कुछ समय से स्पा सेंटरों की संख्या बढ़ी है.

जनसंवाद कार्यक्रमों में भी कुछ स्पा सेंटरों में संदिग्ध गतिविधियों और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें पुलिस अधिकारियों तक पहुंची थीं. पिंक स्पा सेंटर की अनुमति, दस्तावेज, कर्मचारियों और वहां संचालित गतिविधियों की जांच की जा रही है. पूछताछ पूरी होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी.

जमीन पर कब्जा करने पर पड़ोसी पर एफआईआर

भोपाल. कोहेफिजा पुलिस ने ग्राम लाउखेड़ी में जमीन पर कब्जा करने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में राजेश विश्वकर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस के अनुसार रेखा और उनकी मां धर्मी के नाम 1046 वर्गफीट का भूखंड है. आरोप है कि राजेश ने दिसंबर 2025 में भूखंड की सीमा में करीब पांच फीट तक कब्जा कर चार सीमेंटेड कॉलम बना दिए, जिससे करीब 200 वर्गफीट जमीन प्रभावित हुई. शिकायत पर तहसीलदार ने 13 फरवरी 2026 को सुनवाई के बाद कब्जा पाया और उसे हटाने के निर्देश दिए थे. इसके बाद शिकायतकर्ता ने फेंसिंग, पोल और सुरक्षा बोर्ड तोड़ने के आरोप भी लगाए.

फोर्स की कमी ने बांधे साइबर सेल के हाथ

1200 हर दिन कॉल, सिर्फ 64% ही अटेंड

57 थानों के लिए बढ़ेगा अमला

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 12 सितंबर. मप्र में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन इनसे निपटने वाली पुलिस के पास पर्याप्त फोर्स नहीं है. साइबर मुख्यालय में हर दिन करीब 1200 कॉल मदद के लिए पहुंच रही हैं, लेकिन स्टाफ की कमी के चलते केवल 64 फीसदी कॉल ही अटेंड हो पा रही हैं.

हर महीने करीब 36 हजार शिकायतें साइबर पुलिस के पास पहुंचती हैं. सीमित अमले के कारण जांच, छापेमारी, आरोपियों की धरपकड़, डिजिटल साक्ष्य जुटाने और अदालती कार्रवाई का दबाव भी इसी स्टाफ पर है. स्टेट साइबर मुख्यालय और क्षेत्रीय इकाइयों के लिए फिलहाल 293 पद मंजूर हैं, लेकिन इनमें से केवल 255 पदों पर बल तैनात है.

प्रदेश में भोपाल मुख्यालय के अलावा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और उज्जैन में साइबर इकाइयां संचालित हैं. साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश में 57 नए साइबर थाने खोलने की मंजूरी मिल चुकी है. हर जिले में एक साइबर थाना होगा, जबकि भोपाल और इंदौर में दो-दो थाने प्रस्तावित हैं.

इनके संचालन और मौजूदा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए शासन को 3300 नए पदों का प्रस्ताव भेजा गया है. इसमें 2500 पद नए थानों, 550 फोरेंसिक विंग और 250 पद इन्वेस्टिगेशन विंग के लिए मांगे गए हैं.

फैक्ट्स

- हर महीने आ रही हैं करीब 36 हजार शिकायतें
- 293 पद मंजूर है, इनमें केवल 255 पदों पर बल तैनात
- 3300से अधिक फोर्स का प्रस्ताव शासन को

इनका कहना...

> साइबर इकाइयों और नए साइबर थानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 3300 से अधिक फोर्स का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है. पर्याप्त पुलिस बल मिलने पर साइबर अपराधों में कार्रवाई और मामलों के निराकरण की रफ्तार बढ़ेगी.
>
> **- प्रणय नागवंशी,** एसपी साइबर

हाईटेक सुविधा ऑनलाइन दर्ज होगी जानकारी, जेपी में ट्रायल शुरू

1 नवंबर से अस्पतालों में नहीं बनेगा पर्चा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 12 सितंबर. प्रदेश के सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था को पूरी तरह हाईटेक और डिजिटल बनाने की तैयारी शुरू हो गई है. आगामी 1 नवंबर से प्रदेश भर के सरकारी अस्पतालों में हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) तकनीक को अनिवार्य रूप से लागू करने की तैयारी है.

इसके तहत मरीजों का पर्चा ऑनलाइन बनाया जाएगा. जेपी जिला अस्पताल में इसका ट्रायल शुरू कर दिया गया है. इस डिजिटल पहल का मुख्य उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में पर्ची बनवाने से लेकर डॉक्टर को दिखाने तक लगने वाले समय को कम करना है. स्वास्थ्य सेवाओं को पारदर्शी, त्वरित और सुलभ बनाना इसका मूल लक्ष्य है. अब तक कागज के पर्चों और फाइलों में उलझी रहने वाली व्यवस्था को पूरी तरह पेपरलेस और ऑनलाइन डेटा आधारित बनाया जा रहा है.

कैसे करेगा यह आधुनिक सिस्टम

इस प्रक्रिया में अस्पताल पहुंचते ही मरीज की एक यूनिक डिजिटल आईडी बनाई जाएगी, जो आयुष्मान भारत डिजिटल अकाउंट से संबद्ध होगी. जिसके बाद मरीज जैसे ही डॉक्टर के केबिन में पहुंचेगा, डॉक्टर आईडी दर्ज करते ही मरीज की पिछली बीमारियां, जांच रिपोर्ट और ली गई दवाइयों का पूरा ब्योरा अपनी स्क्रीन पर देख सकेंगे. साथ ही डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाएं और पैथोलॉजी जांचें सीधे कंप्यूटर से संबंधित विभाग को ट्रांसफर हो जाएंगी. जिससे मरीज को अलग से लाइन में नहीं लगना पड़ेगा.

मरीजों को मिलेगा इसका लाभ

इस तकनीक के चालू होने के बाद रजिस्ट्रेशन काउंटर की गति कई गुना बढ़ जाएगी, जिससे ओपीडी में सुबह से लगने वाली लंबी कतारें समाप्त होंगी. मरीज का पूरा मेडिकल रिकॉर्ड एक ही स्थान पर सुरक्षित रहेगा. पुरानी पर्चियां या रिपोर्ट ढोने का झंझट हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा. बार-बार एक ही जांच कराने या पुरानी पर्ची खो जाने पर दोबारा लाइन में लगने की समस्या से मरीजों को राहत मिलेगी.

तंगी के चलते जर्मनी नहीं लौट पा रही महिला

भोपाल. जर्मनी से आई एक महिला जेसिका और उसकी बेटी का आर्थिक तंगी के चलते अपने घर नहीं लौट पाने का मामला सामने आया है. महिला थाना पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर विदेशी महिला और उसकी बेटी को स्वयं सेवी संस्था में पहुंचाया है. महिला को जबलपुर निवासी उसके सोशल मीडिया दोस्त ने भोपाल में शुक्रवार को लाकर छोड़ दिया. जानकारी के मुताबिक जर्मन महिला की दोस्त सोशल मीडिया की माध्यम से जबलपुर निवासी एक युवक से हुई. युवक के बुलाने पर एक साल पहले महिला अपनी बेटी के साथ भारत भ्रमण बीजा पर आई. 180 दिन का बीजा महिला के पास रहा. युवक के साथ भारत भ्रमण के दौरान महिला के पास रखी जमापूंजी भी खत्म हो गई.

जेपी में एक्स- रे की दूसरी मशीन भी खराब

ओवरलोड से बंद हुई मशीन, 300 एक्स-रे टले

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 12 सितंबर. जिला शासकीय अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं.

अस्पताल की एक एक्स-रे मशीन पहले से ही खराब पड़ी थी, वहीं दूसरी चालू मशीन भी शनिवार को ओवरलोड के कारण ठप हो गई. कर्मचारियों के अनुसार शुक्रवार को 300 से ज्यादा एक्स-रे हुए, जिससे मशीन पर क्षमता से अधिक दबाव पड़ने से उसमें तकनीकी खराबी आ गई. अस्पताल में रोजाना करीब 1200 से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं. वहीं रोजाना 250 से 300 एक्स- रे जांच की जाती है.

ऐसे में दूसरी मशीन बंद पड़ने से शनिवार को दिनभर में करीब 300 मरीजों की एक्स-रे जांच नहीं हो पाई. मशीन बंद होने के कारण कई मरीजों के पर्चे में डॉक्टरों ने जांच ही नहीं लिखी और अगले दिन आने को कहा, वहीं जिन मरीजों के पर्चे में जांच लिखी गई वो पर्चा लेकर अस्पताल में जांच ले लिए भटकते रहे. आखिरकार जांच न हो पाने के कारण मरीजों को लौटना पड़ा. हालांकि अस्पताल प्रबंधन द्वारा मशीन को दुरुस्त करने के लिए इंजीनियर को बुलाया गया था. जांच कराने आए मरीज के परिजन संतोष ने बताया कि वो एक्स-रे कराने आए थे, लेकिन मशीन खराब होने के कारण उन्हें फिर आना पड़ेगा. ऐसे में मरीज के इलाज में भी देरी हो रही है.